

अभिय. पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता
वादी उपस्थित। वादी अधिवक्ता की
एकपक्षीय बहल सुनी गयी।
वादी ने यह वाद अन्तर्गत द्वारा
88, 188. राज. कारतकारी अधि०
पुस्तुत किया है।

पत्रावली साक्ष्य के अभाव में बहल
हेतु निरस्त थी। प्रतिवादीगणों की
तरफ से अधिवक्ता या प्रतिवादीगण

सचिव
जयपुर शहर प्रथम

फर्द अहकाम

सहायक कलेक्टर
जयपुर शहर प्रथम
न्यायालय

शीर्षक (विस्तृत) विनाम (क्याख्या)

संख्या ६(ध) - 73/2024

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
30/1/24	<p>स्वयं हाजिर नहीं। वादी की एकपक्षीय बहस सुनी गयी।</p> <p>पौरमे बहस जाहिर तथ्यों पर मनन करने एवं पत्रावली मय रिपोर्ट के अवलोकन पर हम पाते हैं कि वादी ने यह वाद, वाद-पत्र की मद संख्या - 1 में उल्लेखित कृषि भूमि, (जिसमें वादीगण 1/24 हिस्से के खतिदार काश्तकार हैं) में निर्मित एयूबकल मय विद्युत कनेक्शन खाता संख्या 18100023 बब में वादीगण को 1/2 हिस्से का स्वामी/मालिक घोषित करवाने का अनुरोध चाहा है।</p> <p>द्वारा . 88 . राज० काश्तकारी अधिनियम में उल्लेखित प्रावधान के अनुसार।) कोई व्यक्ति जो ज्ञातामी या सह-ज्ञातामी होने का दावेदार है, घोषणा करवाने के लिए</p>	

फर्द अहकाम

नाम न्यायालय के कलक्टर
जयपुर शहर प्रथम

केस संख्या 9141 - 731/2024

आज्ञा विस्तृत रूप से

क्रम संख्या

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही

30/7/24

अथवा ऐसी नियुक्त काश्तकारी में अपने हितों की घोषणा करवाने के लिए दावा कर सकेगा।"

2) "खुदकाश का आसामी इस घोषणा के लिए दावा कर सकेगा कि वह खुदकाश का आसामी है।"

3) "शिकमी - आसामी ऐसे व्यक्ति पर जिससे लेकर वह भूमि धारण करता है यह घोषणा करवाने के लिए दावा कर सकेगा कि वह शिकमी आसामी है।"

4) "राज्य सरकार से भिल कोई भूमिधारी ऐसे व्यक्ति पर जो किसी भूमि क्षेत्र का आसामी या सह आसामी अथवा खुदकाश का आसामी या शिकमी आसामी होने का दावा करता है, उनके अधिकार की घोषणा के लिए दावा कर सकेगा।"

सहायक कलक्टर
जयपुर शहर प्रथम

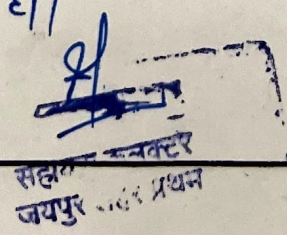
फर्द अहकाम

न्यायालय
सहायक सत्रिक
जयपुर

बनाम
श्री. अ. वि. लाल (24) / 10/10/2021

G/10 - 7/2/2021

संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
30/03/21		<p>वादी द्वारा प्रस्तुत राजस्व रिकॉर्ड एवं वाद-पत्र में उल्लेखित तथ्यों के आधार पर वादीगण (पक्षी मेरी) रिकॉर्डों खतियार हैं। खतियारी अधिकारों की घोषणा के अतिरिक्त अन्य कोई अनुतोष द्वारा - 88, राज० कारतकारी अधिनियम में cover नहीं होता है। वादी ने जो विद्युत कनेक्शन खाता सं. 181000 23 के 1/2 हिस्से में वादीगण का नाम जोड़े का अनुतोष चाहा है, वह अनुतोष द्वारा - 88, राज० कारतकारी अधि० में देय नहीं है।</p> <p>अतः वादी का वाद पौषणीय नहीं होने के कारण खारिज दिया जाता है। निर्णय आज दिनांक 30/03/21 को खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रवली फंसल शुमार लेकर दाखिल पत्र दे।</p>	


सहायक सत्रिक
जयपुर